आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक– 01नवम्बर 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन ने कल वाराणसी में श्रीकाशी नाटकोट्टइ नगर क्षत्रम में धर्मशाला का किया उद्घाटन। कहा–पहले और आज की काशी में दिख रहा है जमीन आसमान का फर्क ।
- प्रदेश भर में कल राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनायी गयी, लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की एक सौ पचासवीं जयंती।
- राज्य के पूर्वी जिलों में आज से शुरू हो रही है धान की खरीद। दो लाख से अधिक किसान करा चुके हैं अपना पंजीकरण।
- हिन्दी के जाने–माने रचनाकार पद्मश्री प्रोफेसर रामदरश मिश्र का दिल्ली में निधन। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई साहित्यकारों ने जताया शोक।
- देवोत्थानी एकादशी पर आज से अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा शुरू।

****

उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन ने कल वाराणसी में 'श्रीकाशी नाटकोट्टइ नगर क्षत्रम' में धर्मशाला का उद्घाटन किया, इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उनके साथ मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज काशी में जो धार्मिक, अध्यात्मिक और अवस्थापना का विकास देखा जा रहा है, उसमें पहले और आज की काशी में जमीन आसमान का फर्क है और यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि वह तमिलनाडु और काशी के बीच नींव रखने वाली इस धर्मशाला का उद्घाटन करके काफी खुश हैं।

यह जो असंभव बोला जा रहा था, यह कैसे साध्य हुआ? यह साध्य हुआ दो कर्म योगियों के कारण एक भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और दूसरे हैं हमारे बहुप्रिय माननीय योगी जी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम और रामेश्वरम् दोनों भगवान शिव के दिव्य स्वरूप है। उन्होंने कहा कि देशभर में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन भारत की आत्मा एक है।

इस समारोह इस बात का स्मरण कराता है कि वाराणसी की पावन गंगा नदी के किनारे से लेकर तमिलनाडु की कावेरी नदी के तट तक की हमारी सांझी परंपरा हमें याद दिलाती है कि भाषाएं भले ही अलग हो भारत की आत्मा एक ही है जो शाश्वत समावेशी और अटूट संबंधों से जुड़ी हुई है। श्री काशी नट्टू कोटई नगर सतनाम मैनेजिंग सोसाइटी द्वारा निर्मित यह धर्मशाला जहां एक ओर श्रद्धालुओं को ठहरने की सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराएगी। वहीं दूसरी ओर काशी और तमिलनाडु के प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों को भी सुधार करेगी।

****

देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की एक सौ पचासवीं जयंती कल पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गयी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा स्रोत है।

सबका आह्वान करता हूं कि हमें जाने–अनजाने में राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले उन कुत्सित प्रयासों को ना केवल निंदा करनी चाहिए बल्कि उसके खिलाफ समाज को जागरूक करके जो समाज को परिवारवाद के आधार पर, जातिवाद के आधार पर, छुआछूत और अस्पृश्यता के आधार पर बांटने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं, उनके खिलाफ हम सबको मिलकर के राष्ट्रीय एकता को सुदृ ढ़ बनाने के अभियान के साथ सामाजिक एकता को को सुदृढ़ करने के इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाना चाहिए।

इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों के जरिए सरदार पटेल को नमन किया गया। महाराजगंज में आयोजित रन फॉर यूनिटी में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ कई अधिकारी, कर्मचारी और स्कूली छात्र–छात्राएं शामिल हुए।

केंद्रीय वाणिज्य उद्योग एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने पीलीभीत में रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ किया। वाराणसी में प्रदेश सरकार में मंत्री रवीन्द्र जायसवाल, बरेली में धर्मपाल सिंह, मऊ में ए.के. शर्मा, संभल में राज्य मंत्री गुलाब देवी और आगरा में योगेंद्र उपाध्याय ने रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सिद्धार्थनगर में डुमरियागंज के सांसद जगदंम्बिका पाल ने रन फॉन यूनिटी दौड़ का शुभारंभ किया और कार्यक्रम में मौजूद लोगों को देश की अखंडता और एकता की शपथ दिलाई।

****

खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के अंतर्गत प्रदेश के पूर्वी जिलों में आज से धान की खरीद शुरू हो जाएगी, जो आगामी अट्ठाइस फरवरी तक चलेगी। इस अवधि में लखनऊ संभाग के उन्नाव, रायबरेली और लखनऊ में भी धान की खरीद होगी। सरकार ने

इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की है। धान की बिक्री के लिए पहली सितंबर से पंजीकरण शुरू हो गया था जिसमें अभी तक दो लाख, सत्रह हजार से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। धान बिक्री के लिए किसानों का पंजीकृत होना अनिवार्य है जिसके लिए किसानों को खाद्य और रसद विभाग की वेबसाइट या मोबाइल ऐप 'यूपी किसान मित्र' पर अपना पंजीकरण कराना होगा।

****

न्यायमूर्ति सूर्यकांत भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। विधि और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कल अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्हें बधाई देते हुए बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति चौबीस नवम्बर से प्रभावी होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत देश के तिरपनवें मुख्य न्यायाधीश होंगे। वे मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल इसी माह की तेइस तारीख को समाप्त होगा।

****

हिन्दी के जाने–माने रचनाकार पद्म श्री प्रोफेसर रामदरश मिश्र का कल शाम दिल्ली में निधन हो गया। गोरखपुर के रहने वाले प्रोफेसर मिश्र का निधन एक सौ दो वर्ष की उम्र में हुआ। उन्होंने एक सौ पचास से अधिक पुस्तकें लिखी। उनकी लिखी पुस्तकों को कई विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जाता है। उनके निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर विश्वनाथ तिवारी सहित कई साहित्यकारों ने शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने उनके निधन को साहित्य जगत की अपूर्णीय क्षति बताते हुए कहा कि वह अपनी कृतियों के माध्यम से हमेशा लोगों के मन में जीवित रहेंगे।

****

नरेन्द्र मोदी सरकार ने बाइस सितंबर को कई क्षेत्रों में जीएसटी दरों में सुधार के साथ जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत की थी। इससे पूरे देशभर में लोगों को लाभ हुआ। इन सुधारों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में लोगों को फायदा मिला है। एक रिपोर्ट–

नये जीएसटी सुधारों के अंतर्गत, सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी कर कटौती कर लोगों को बड़ी राहत दी है। नये कर ढांचे के अंतर्गत सरकार ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर पहले लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी को खत्म कर अब पूरी तरह से कर–मुक्त कर दिया गया है। यह निर्णय स्वास्थ्य बीमा को अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करेगा और लोगों के इलाज पर होने वाले खर्च को भी कम करेगा। जीएसटी 2.0 में सरकार ने कैंसर और गंभीर दीर्घकालीक बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 33 जीवन रक्षक दवाओं को भी पूरी तरह से कर मुक्त कर दिया है। वहीं सरकार ने गॉज, पट्टियाँ, डायग्नोस्टिक किट, ग्लूकोमीटर और थर्मामीटर जैसी विभिन्न दवाओं और चिकित्सा उपकरणों पर भी जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। रिशु और सौम्या के साथ, सकलेन अख्तर, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

देवोत्थानी एकादशी के पावन अवसर पर अयोध्या के कार्तिक पूर्णिमा मेले का दूसरा चरण पञ्च कोसी परिक्रमा आज भोर में कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हो गया है। परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धा,भक्ति और आस्था का सैलाब दिखाई पड़ रहा है। एक रिपोर्ट ....

बिगड़ते मौसम पर आस्था भारी पड़ गई और आज भोर होते–होते अट्ठारह किलोमीटर लम्बा पञ्च कोसी परिक्रमा मार्ग श्रद्धालुओं से भर गया है। जिसमें नन्हें–मुन्ने और वयोवृद्ध महिलाओं–पुरूषों का उत्साह देखते ही बन रहा है। बीच–बीच में भजन–कीर्तन करती चल रही साधू–संतों की टोली समूचे वातावरण को धार्मिकता से सराबोर कर रही हैं। इस परिक्रमा में अपेक्षाकृत नगरीय भीड़ अधिक दिख रही है,और परिधीय परिक्रमा की कतार देख एसा लग रहा है। जैसे श्रद्धालु माला का रूप धारण करके तीर्थ स्थल अयोध्या की उपासना कर रहे हों। मानव शरीर पृथ्वी, जल, तेज, वायु और आकाश से बना है, मान्यता है, कि पञ्च कोसी परिक्रमा से इन पांचो पदार्थों का शोधन होता है। तनमय सोनी आकाशवाणी समाचार अयोध्या।

वहीं वाराणसी में आज से चार दिवसीय गंगा महोत्सव भी शुरू हो रहा है। जिसे लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं।

****